प्रेस विज्ञप्ति **26 जून, 2023**

सिडबी की एक और उपलब्धि – आस्ति आधार 4 ट्रिलियन के पार

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने 26 जून, 2023 को अपनी 25वीं वार्षिक आम बैठक लखनऊ स्थित प्रधान कार्यालय में आयोजित की। इस वार्षिक आम बैठक में 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए सिडबी के लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को अनुमोदित किया गया।

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमण, आईएऐंडएएस ने सदस्यों को संबोधित किया और सिडबी के वित्तवर्ष 2022-2023 के वित्तीय और परिचालनगत कार्यनिष्पादन पर प्रकाश डाला। सिडबी ने बकाया संविभाग, आय, शुद्ध लाभ और तुलनपत्र का अब तक का अधिकतम आकार हासिल किया। सिडबी ने अपने सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण संवृद्धि हासिल की। सिडबी ने तुलनपत्र में 4 लाख करोड़ रुपये के मुकाम को भी पार कर लिया। सिडबी का संवितरण वित्तवर्ष 2022 में 1,43,758 करोड़ रुपये से 93% बढ़कर वित्तवर्ष 2023 में 2,76,755 करोड़ रुपये हो गया। सिडबी के 'ऋण और अग्रिम' वित्तवर्ष 2022 के 2,02,252 करोड़ रुपये से 76% बढ़कर वित्तवर्ष 2023 में 3,56,439 करोड़ रुपये हो गये। बैंक का आस्ति-आधार 2,47,379 करोड़ रुपये से 63% बढ़कर 4,02,383 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023 में, बैंक ने 18,485 करोड़ रुपये की आय और 3,344 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित करते हुए इनमें गत वर्ष की तुलना में क्रमश: 102% और 71% की वृद्धि दर्ज़ की। वित्तवर्ष 2023 में प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) 58.81 रुपये रहा। 31 मार्च, 2023 तक सकल और निवल एनपीए अनुपात में और भी कमी आयी और वे क्रमशः 0.01% और 0.00% रहे । वार्षिक आम बैठक ने वित्तवर्ष 2023 के लिए 20% के लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी।

श्री रमण ने कहा कि बैंक की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वित्तीय गतिविधियों से एमएसएमई क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम लागत वाले ऋण -प्रवाह में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पिछले 2 वर्षों में सिडबी के तुलनपत्र में एमएसएमई क्षेत्र के कुल ऋण का हिस्सा 7% से बढ़कर 17% हो गया है और वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से अगले 2 वर्षों में इसे 25% तक ले जाने का लक्ष्य है। सिडबी को यह अधिदेश प्राप्त है कि वह बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को पुनर्वित्त देकर और पूर्णतया डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से ऋण और इक्विटी के रुप में प्रत्यक्ष वित्त सहायता के ज़रिए एमएसएमई क्षेत्र को कम लागत पर वित्त प्रदान करे। एमएसएमई के लिए सरकारी योजनाओं जैसे- पीएम स्वनिधि और पीएम विकास का कार्यान्वयन सिडबी की ऋणप्रदायगी संबंधी गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अंग है।

वित्तपोषण के साथ-साथ, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए नवोन्मेषी समाधान विकसित करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। एमएसएमई को हरित प्रथाएँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक ने डिजिटल पारितंत्र विकसित करने और वित्तीय साधनों के कार्यान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। एमएसएमई पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए सिडबी ने इंडिया स्टैक का लाभ उठाते हुए कुछ अभिनव डिजिटल प्रयास आरंभ किए हैं, जैसे-

- **उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म-** ताकि उद्यम प्रमाणपत्र जारी करके अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों (आईएमई) को औपचारिक अर्थव्यवस्था के दायरे में लाया जा सके। इससे अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यम बाजार, वित्तीय सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुंच पाएँगे। इस परियोजना मे 30 लाख से अधिक आईएमई पंजीकृत हो चुके हैं।

- **जीएसटी सहाय-** बैंक ने जीएसटी सहाय नाम से एक नया ऐप विकसित किया है, जो नकदी प्रवाह मूल्यांकन के आधार पर संपार्श्विक-मुक्त ऋण की सुविधा प्रदान करता है। यह ऐप एमएसएमई क्षेत्र को, बिना संपार्श्विक प्रतिभूति के, डिजिटल रूप से 'ऑन टैप' इन्वॉइस-आधारित वित्तपोषण उपलब्ध कराएगा।

- **फिट रैंक-** सिडबी ने एमएसएमई के लिए वित्तीय, आय और व्यापार डेटा-आधारित रैंक (फिट रैंक) को मेंटर किया है। यह माल एवं सेवा कर, आय कर विवरणी और बैंक स्टेटमेंट के आधार पर एमएसएमई को 'फिट रैंक' प्रदान करता है। इस रैंक से एमएसएमई की चूक की सम्भावना (पीडी) /कार्यनिष्पादन/शक्ति का पता चलता है। एफआईटी रैंक से एमएसएमई को अधिक ऋण-योग्य बनने में मदद मिलेगी। इस रैंक से नए/पहली बार ऋण लेने वालों का मूल्यांकन भी संभव हो सकेगा।

सिडबी ने कई नई पहलकदमियां की हैं और एमएसएमई क्षेत्र को बेहतर सेवा देने के उद्देश्य से नई मध्यवर्ती वित्तीय संस्थाओं को सहायता दी है। वित्तवर्ष 2023 में बैंक ने क्षे. ग्रा. बैंक और अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों को पुनर्वित्त सहायता प्रदान करने की अनुशंसा की, कम रेटिंग वाली एनबीएफसी को सहायता की मुख्यधारा में लाने के लिए भी एक योजना शुरू की, एएए रेटिंग वाली और उच्चस्तरीय एनबीएफसी हेतु जोखिम-आधारित एक्सपोजर फ्रेमवर्क लागू किया और छोटे और कम रेटिंग वाले एमएफआई/एनबीएफसी/फिनटेक के लिए बॉन्ड बाजार तैयार करने के उद्देश्य से विशेष कोष की स्थापना की। इन उपायों से एमएसएमई क्षेत्र, विशेष रूप से अपेक्षाकृत असेवित /अल्पसेवित उद्यमों के लिए ऋण के प्रवाह में वृद्धि होने की उम्मीद है ।

प्रत्यक्ष वित्त परिचालनों के तहत ऋण की गुणवत्ता और प्रदायगी को बेहतर बनाने के लिए प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार/शोधन के साथ-साथ सिडबी ने ऋण-प्रक्रिया के डिजिटलीकरण पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सिडबी ने 'फाइनेंस इनकम एंड ट्रेड (फिट) रैंक' और 'सिबिल एमएसएमई रैंक (सीएमआर)' के आधार पर एक ऋण उत्पाद पेश किया है। इसका उद्देश्य स्ट्रेट थ्रू प्रोसेस के माध्यम से मंजूरी प्रदान करके एमएसएमई क्षेत्र में डिजिटल ऋण-प्रदायगी और ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना है। सिडबी ने एमएसएमई को हरित वित्त प्रदान करने के लिए भी कई योजनाएँ आरंभ की हैं। वित्तवर्ष 2023 में सिडबी के हरित वित्त संविभाग में 16 गुना की वृद्धि हुई, जिससे 330 GWh की वार्षिक ऊर्जा बचत होने और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 0.23 Mn tCO2eq की कमी आने की संभावना है।

वित्तवर्ष 2023 में एमएसएमई अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में सिडबी क्लस्टर डेवलपमेंट फंड को गति मिली। वित्तवर्ष 2023 तक संचयी रूप से, 91 परियोजनाओं (64 ग्रीनफ़ील्ड और 27 ब्राउनफ़ील्ड) को ₹5,496 करोड़ की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है।

श्री रमण ने कहा कि वित्तवर्ष 2024 में बैंक एमएसएमई पारितंत्र के विकास के लिए किए गए बहुत-से प्रयासों को जारी रखेगा। साथ ही, वह एमएसएमई क्षेत्र के सम्मुख आने वाली विभिन्न चुनौतियों के समाधान हेतु नए क्षेत्रों/सहयोगों की संभावना तलाशेगा, ताकि एमएसएमई क्षेत्र की विकास-प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे।

****

सिडबी के बारे में:

1990 में अपने गठन के बाद से ही, सिडबी अपने एकीकृत, नवोन्मेषी और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों के नागरिकों के जीवन में शामिल रहा है। सिडबी ने अपने ऋण और विकास संबंधी विभिन्न उपायों के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को प्रभावित किया है, फिर चाहे वे पारंपरिक, घरेलू छोटे उद्यमी हों, सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या उच्च वर्गीय ज्ञान-आधारित उद्यमी ही क्यों न हों।

और अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://www.sidbi.in का अवलोकन करें

sidbi
वार्षिक सामान्य बैठक
ANNUAL GENERAL MEETING